an>

Title: Need to set up Dev Bhoomi Development Board for the protection of Dev Bhoomi/Oran in every village where different varieties of flora grow naturally in the State of Rajasthan.

श्री पी.पी.चौधरी (पाली) : महोदया , मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका प्रदान किया।

महोदया , मेरे पाली लोक सभा क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में, हर गांव में प्राचीन काल से जो देव भूमि या ओरण भूमि कहलाती हैं, वे आरक्षित रखी जाती हैं। उस ओरण भूमि में किसी तरह का निर्माण या आबंटन नहीं होता है। उस ओरण भूमि का फायदा यह है कि वह गांव व किसान की रीढ़ की हड्डी मानी जाती है क्योंकि वहां पशु-पक्षी और जितने भी जीव-जंतु हैं, वे चाहे जंगली हों या पालतू हों, वे उसमें विचरण करते हैं। लेकिन, धीरे-धीरे पिछले साठ वर्षों में इस ओरण भूमि को बड़ा खतरा पैदा हो गया है। उसमें अंग्रेजी बबूल पैदा हो गए हैं, वे अतिक्रमण का शिकार हो रहे हैं और जगह-जगह प्रत्येक स्थानीय निकायों ने उस भूमि का आबंटन शुरू कर दिया है। इससे पर्यावरण असंतुलित हो गया है और जो उसमें वाटर बॉडीज़ और तालाब हैं, उनके कैचमेंट एरिया ऑब्सट्रक्ट हो गए हैं। इससे धीरे-धीरे वहां की वनस्पति, पशु-पक्षी और जंगली जानवर लुप्त होते जा रहे हैं।

मैं पर्यावरण मंत्री महोदय से निवेदन करूंगा कि अब अच्छे दिन आ गए हैं और अच्छे दिन को आम जनता महसूस कर रही है। मेरे पाली लोक सभा क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में, जहां कहीं भी ओरण भूमि हैं, देव भूमि हैं, उनके पर्यावरण के घटने और उन्हें लुप्त होने से बचाने के लिए जो भी आवश्यक कदम हैं, उन्हें उठाने के लिए मैं आपके माध्यम से निवेदन करता हूं।

माननीय अध्यक्ष : श्री पी.पी. चौधरी द्वारा उठाए गए विषय से

*m02

श्री सुमेधानन्द सरस्वती और

*m03

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत स्वयं को सम्बद्ध करते हैं।